डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या–25
दिनांक– मंगलवार, 27 मार्च, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.0 एवं 15.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 87 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 50 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 23.0 एवं दोपहर में 34.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(28 मार्च–01 अप्रैल, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 28 मार्च–01 अप्रैल, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि के दौरान उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। 28 मार्च से अगले 48 घंटों के भीतर कुछ स्थानों पर गरज–चमक के साथ बादल बन सकते हैं जिसके कारण वर्षा होने का अनुमान है। इस अवधि में कहीं–कहीं तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि हो सकती है, तथा कुछ क्षेत्रों में आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 31 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 19 से 21 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 8 से 10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चल सकती है। वर्षा के दौरान तेज हवा चलने की सम्भावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 60 से 70 प्रतिशत तथा दोपहर में 25 से 30 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- 28 मार्च से अगले 48 घंटों के दौरान गरज वाले बादल बनने और वर्षा होने की संभावना है। ऐसे में किसान भाई खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित रखें। तैयार फसल की कटाई करते समय विशेष सावधानी बरतें। किसी भी प्रकार के कीटनाशकों का छिड़काव केवल मौसम साफ रहने पर ही करें।
- आम के फल इस समय मटर के दाने के बराबर अवस्था में हैं। इस अवस्था में मधुआ एवं चूर्णिल आसिता के नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोरप्रिड (17.8 एसएल) 1 मि. ली. प्रति 2 लीटर पानी या हेक्साकोनाजोल 1 ग्राम प्रति 2 लीटर पानी या डाइनोकैप (46 ईसी) 1 मि.ली. प्रति 1 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। फल झड़ने से बचाने के लिए प्लेनोफिक्स 1 मि.ली. प्रति 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। ध्यान रखें कि सभी छिड़काव साफ मौसम में ही करें।
- गरमा मूंग और उड़द की बुआई 10 अप्रैल से पहले प्राथमिकता के आधार पर पूरी करें। खेत की तैयारी के समय 20 किग्रा नाइट्रोजन, 45 किग्रा फास्फोरस, 20 किग्रा पोटाश और 20 किग्रा गंधक प्रति हेक्टेयर दें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एसएमएल–668, एचयूएम–16 और सोना किस्में तथा उड़द के लिए पंत उड़द–19, पंत उड़द–31, नवीन और उत्तरा किस्में उपयुक्त हैं। बुआई से दो दिन पहले बीज को कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम प्रति किग्रा से उपचारित करें और बुआई से पहले राइजोबियम कल्चर से उपचार करें। बीज दर छोटे दानों के लिए 20–25 किग्राध्हेक्टेयर और बड़े दानों के लिए 30–35 किग्राध्हेक्टेयर रखें। कतार दूरी 30×10 सेमी रखें।
- ओल की बुआई के लिए गजेन्द्र किस्म उपयुक्त है। 0.5 किग्रा वजन के कंदों को 75×75 सेमी दूरी पर लगाएं। 0.5 किग्रा से कम वजन के कंदों का उपयोग न करें। बीज दर 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रत्येक गड्ढे में 3 किग्रा गोबर की खाद, 20 ग्राम अमोनियम सल्फेट या 10 ग्राम यूरिया, 37.5 ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट और 16 ग्राम पोटेशियम सल्फेट डालें। कंदों को ट्राइकोडर्मा विरिडी 5 ग्राम प्रति लीटर गोबर घोल में 20–25 मिनट डुबोकर उपचारित करें, फिर छाया में सुखाकर रोपाई करें।
- पिछले महीने बोई गई सब्जियों में आवश्यकता अनुसार निराई–गुड़ाई करें और कीटों की निगरानी करते रहें। कीट प्रकोप होने पर मैलाथियान 50 ईसी या डाइमेथोएट 30 ईसी 1 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें, लेकिन यह कार्य केवल साफ मौसम में करें।
- जो किसान चारा फसल लगाना चाहते हैं, वे ज्वार की कोहवा किस्म लगाएं। इसके साथ हाइब्रिड नेपियर या बरसीम जैसी चारा फसल भी अवश्य लगाएं।
- बसंतकालीन मक्का, टमाटर, बैंगन और प्याज की फसलों में कीट एवं रोगों की नियमित निगरानी करते रहें ताकि समय पर नियंत्रण किया जा सके।
- भिंडी की फसल में लीफ हॉपर (जेसिड) कीट का विशेष ध्यान रखें। यह छोटे हरे रंग का कीट पत्तियों के नीचे रहकर रस चूसता है, जिससे पत्तियां पीली होकर मुड़ जाती हैं और सूखने लगती हैं। प्रकोप दिखने पर इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें, लेकिन यह कार्य केवल साफ मौसम में करें।
- भिंडी, नेनुआ, करेला, लौकी (कद्दू) और खीरा जैसी गरमा सब्जियों की बुआई शीघ्र करें। पहले से बोई गई फसलों में निराई–गुड़ाई करें और कीटों की निगरानी रखें। कीट प्रकोप होने पर मैलाथियान 50 ईसी या डाइमेथोएट 30 ईसी 1 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें, लेकिन यह कार्य साफ मौसम में ही करें।

आज का अधिकतम तापमानः 33.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 15.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी